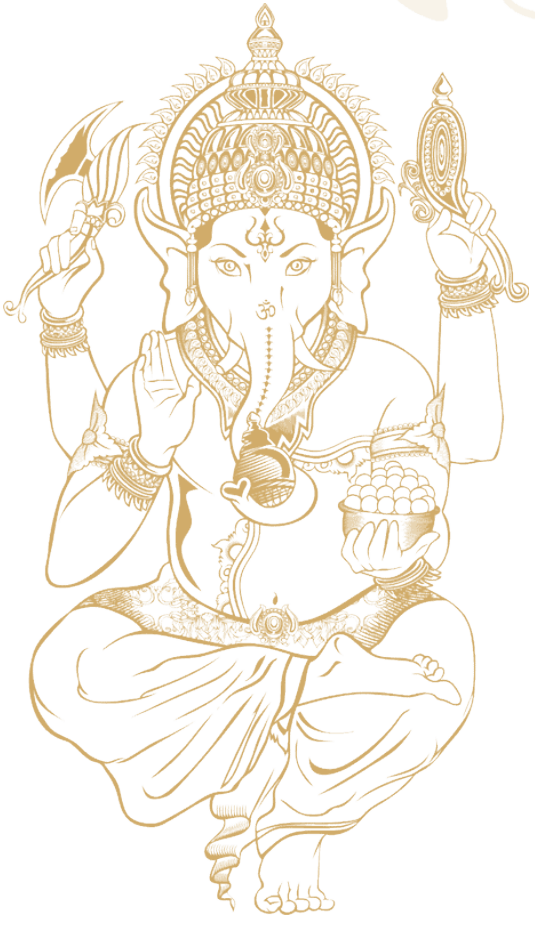

AJAY SHING YADAV

19 Oct 1973

10:15 PM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 120423511

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/10/1973**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:15:00 घंटे**
इष्ट	39:47:36 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:57:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:59 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:02 घंटे
सूर्योदय	06:19:57 घंटे
सूर्यास्त	17:45:51 घंटे
दिनमान	11:25:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:39:31 तुला
लग्न के अंश	15:37:05 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:37:05	320:01:35	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	02:39:31	00:59:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	12:31:47	13:57:34	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल	व		मेष	09:54:52	00:20:00	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			तुला	27:08:20	00:57:01	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मक	09:31:12	00:04:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	18:08:16	01:06:38	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि	व		मिथु	11:15:08	00:00:17	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु	व		धनु	07:28:15	00:01:04	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	07:28:15	00:01:04	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष			तुला	00:06:39	00:03:47	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
नेप			वृश्चि	12:13:31	00:01:50	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
प्लूटो			कन्या	11:37:25	00:02:11	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मीन	03:31:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:29:44

लग्न-चलित

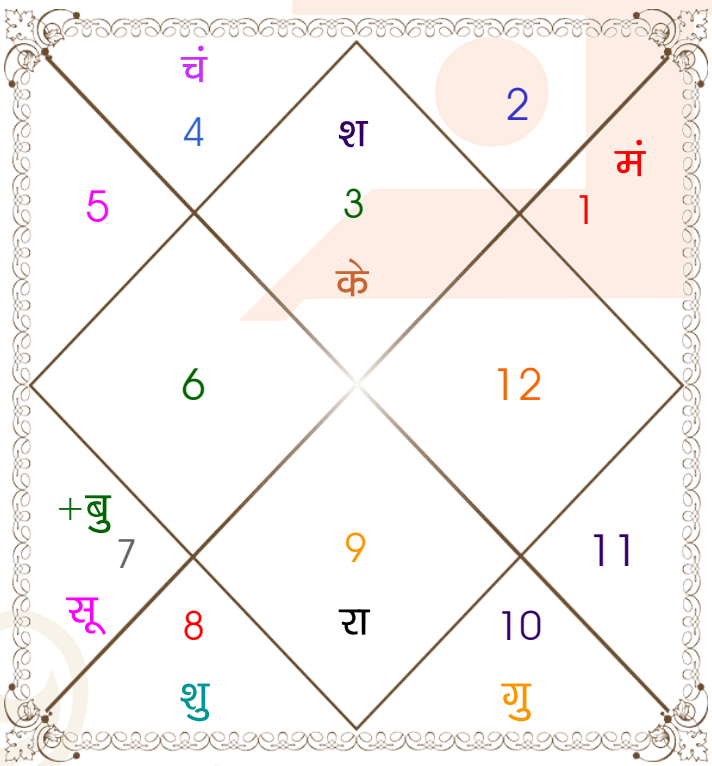

चन्द्र कुंडली

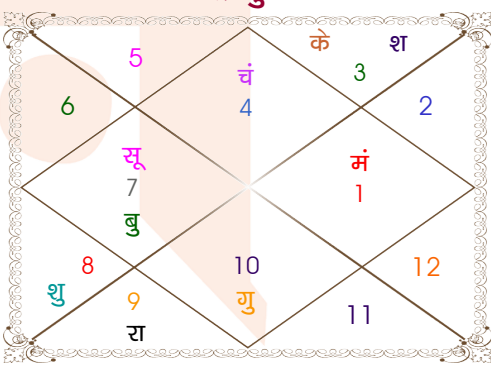

नवमांश कुंडली

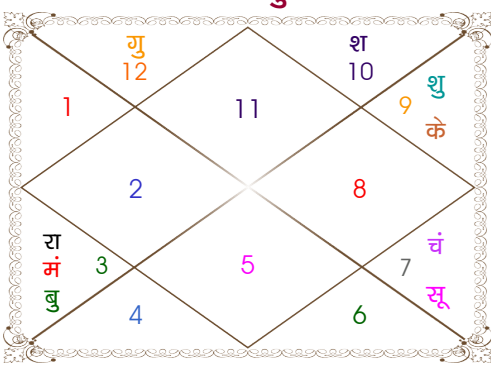

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 10 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/10/1973		12/09/1979		11/09/1996		12/09/2003		12/09/2023	
12/09/1979		11/09/1996		12/09/2003		12/09/2023		11/09/2029	
	00/00/0000	बुध	07/02/1982	केतु	07/02/1997	शुक्र	11/01/2007	सूर्य	30/12/2023
	00/00/0000	केतु	05/02/1983	शुक्र	09/04/1998	सूर्य	11/01/2008	चंद्र	30/06/2024
	00/00/0000	शुक्र	05/12/1985	सूर्य	15/08/1998	चंद्र	11/09/2009	मंगल	05/11/2024
	00/00/0000	सूर्य	12/10/1986	चंद्र	16/03/1999	मंगल	11/11/2010	राहु	29/09/2025
	00/00/0000	चंद्र	12/03/1988	मंगल	12/08/1999	राहु	11/11/2013	गुरु	19/07/2026
	19/10/1973	मंगल	09/03/1989	राहु	30/08/2000	गुरु	12/07/2016	शनि	01/07/2027
मंगल	24/04/1974	राहु	27/09/1991	गुरु	06/08/2001	शनि	12/09/2019	बुध	06/05/2028
राहु	28/02/1977	गुरु	02/01/1994	शनि	14/09/2002	बुध	13/07/2022	केतु	11/09/2028
गुरु	12/09/1979	शनि	11/09/1996	बुध	12/09/2003	केतु	12/09/2023	शुक्र	11/09/2029

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/09/2029		12/09/2039		11/09/2046		11/09/2064		11/09/2080	
12/09/2039		11/09/2046		11/09/2064		11/09/2080		00/00/0000	
चंद्र	13/07/2030	मंगल	08/02/2040	राहु	25/05/2049	गुरु	30/10/2066	शनि	15/09/2083
मंगल	11/02/2031	राहु	25/02/2041	गुरु	18/10/2051	शनि	12/05/2069	बुध	25/05/2086
राहु	11/08/2032	गुरु	01/02/2042	शनि	24/08/2054	बुध	18/08/2071	केतु	04/07/2087
गुरु	11/12/2033	शनि	13/03/2043	बुध	13/03/2057	केतु	24/07/2072	शुक्र	02/09/2090
शनि	13/07/2035	बुध	09/03/2044	केतु	31/03/2058	शुक्र	25/03/2075	सूर्य	15/08/2091
बुध	11/12/2036	केतु	05/08/2044	शुक्र	31/03/2061	सूर्य	11/01/2076	चंद्र	16/03/2093
केतु	12/07/2037	शुक्र	06/10/2045	सूर्य	23/02/2062	चंद्र	12/05/2077	मंगल	19/10/2093
शुक्र	13/03/2039	सूर्य	10/02/2046	चंद्र	24/08/2063	मंगल	18/04/2078		00/00/0000
सूर्य	12/09/2039	चंद्र	11/09/2046	मंगल	11/09/2064	राहु	11/09/2080		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 10 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।